2019

B.A.

3rd Semester Examination

HINDI (Honours)

Paper - C 5-T

Full Marks : 60 Time : 3 Hours

The question are of equal value for any group/half. The figures in the margin indicate full Marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practiable. Illustrate the ansvvers wherever necessary.

खंड—क

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए:— $10 \times 2 = 20$

(क) 'कुरूक्षेत्र' का प्रकाशन वर्ष क्या है? यह रचना कितने सर्गों में विभक्त है?

(ख) नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या है? उनके एक काव्य-संग्रह का नाम बताइए।

(ग) 'बसंती हवा' में अभिव्यक्त 'हवा' की कुछ विशेषताओं का उल्लेख करें।

(घ) अज्ञेय द्वारा रचित दो काव्य—संग्रहों का नाम बताइए।

[Turn Over]

(ङ) "काठ की घंटियाँ" किसकी रचना है? रचनाकार द्वारा संपादित किसी एक पत्रिका का नाम बताइए।

(च) रघुवीर सहाय द्वारा रचित दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(छ) "दूसरा सप्तक" के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

(ज) भवानी प्रसाद मिश्र के पहले काव्य-संग्रह का नाम एवं प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(झ) "लोकतंत्र का अंतिम क्षण है, कह कर आप हँसे"—संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

(ञ) "आज पुराने सिंहासन की
टूट रही प्रतिमाएँ
उठता है तूफान इन्दु तुम
दीप्तिमान रहना
पहरुए, सावधान रहना।"
उक्त पंक्तियों का प्रसंग बताइए।

(ट) 'शब्द जादू हैं'—का अर्थ लिखिए।

(ठ) "रश्मिरथी" और 'उर्वशी' के रचनाकार का नाम बताइए। दोनों महाकाव्य का प्रकाशन वर्ष बताइए।

(ड) 'श्रम की महिमा' के कवि कौन हैं? उनके एक काव्य संग्रह का नाम लिखिए।

(ढ) "राष्ट्रगीत में भला कौन वह
भारत भाग्य विधाता है
फटा सुथन्ना पहने जिसका
गुन हरचरना गाता है।"
उक्त काव्यांश में "हरचरना" और "विधाता" किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(ण) 'युग की गंगा' के रचनाकार कौन हैं? उनकी किसी एक अन्य रचना का नाम लिखिए।

खंड—ख

2. निम्नलिखित उद्धरणों में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— $4 \times 5 = 20$

(क) "दानें आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगने से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखे कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।"

(ख) "सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दें फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी नादान;
फूल-काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान।"

(ग) कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है।
मगर क्या तुम नहीं पहचान पाओगी :
तुम्हारे रूप के—तुम हो, निकट हो, इसी जादू के—
निजी किसी सहज, गहरे बोध से, किस प्यार से—
मैं कह रहा हूँ—
अगर मैं यह कहूँ—
बिछली घास हो तुम
लहलहाती हवा में कलगी छरहरी बाजरे की?

(घ) "धीरे धीरे चला अकेले
सोचा साथ किसी को ले ले
फिर रह गया, सड़क पर सब थे
सभी मौन थे सभी निहत्थे
सभी जानते थे यह उस दिन उसकी हत्या होगी।"

[Turn Over]

(ङ) "तुम्हारे साथ रहकर
अक्सर मुझे महसूस हुआ है
कि हर बात का एक मतलब होता है,
यहाँ तक कि घास के हिलने का भी,
हवा का खिड़की से आने का
और धूप का दीवार पर
चढ़कर चले जाने का।"

(च) हर सुविधा
एक ठप्पेदार अजनबी उगाती है,
हर व्यस्तता
और अधिक अकेला कर जाती है।
हम क्या करें—
भीड़ और अकेलेपन के क्रम से कैसे छूटें?

खंड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :—
$2 \times 10 = 20$

(क) नागार्जुन की प्रगतिशील चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'कुरूक्षेत्र' में प्रस्तुत प्रमुख समस्याओं पर विचार कीजिए।

(ग) 'रघुवीर सहाय' की कविताओं में व्यक्त राजनीतिक चेतना की विवेचना कीजिए।

(घ) पठित काव्य के आधार पर गिरिजा कुमार माथुर की काव्य-व्यंजना को स्पष्ट कीजिए।